Downloaded From : http://cbseportal.com/

Series JSR/NSQF

SET-2

कोड नं.
Code No. **503/2**

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **12** हैं।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

संकलित परीक्षा - II
SUMMATIVE ASSESSMENT - II
हिन्दी
HINDI
(पाठ्यक्रम अ)
(Course A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 90*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 90*

सामान्य निर्देश :

*(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं – क, ख, ग और घ।*

*(ii) **सभी** खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** हैं।*

(iii) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

खण्ड - 'क'

1. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए।** **1x5=5**

आज हम स्वतन्त्र देश के नागरिक हैं जहाँ लोकतंत्र है। देश की बागडोर हमारे द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों के हाथों में है। आज हम महिलाओं की भलाई के बारे में ज्यादा सोच सकते हैं। पिछली सरकारों ने महिलाओं के कल्याण के लिए अनेक योजनाएँ बनाईं। उनकी शिक्षा पर ज़ोर दिया जाने लगा। देश की अनेक गैर-सरकारी संस्थाओं ने उनकी शिक्षा के लिए स्कूल, कॉलेज खुलवाए। जीवन के हर क्षेत्र में उन्हें प्रोत्साहित करने हेतु अनेक उपाय सोचे गए और लागू किए गए। महिलाओं को पारिवारिक या सामाजिक उत्पीड़न से बचाने के लिए 'महिला आयोग' का गठन भी कर दिया गया।

आज के समय में महिलाएँ जीवन के हर क्षेत्र में पुरुषों से कन्धों से कन्धा मिलाकर काम कर रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में वे पुरुषों की अपेक्षा कहीं आगे जा चुकी हैं। नौकरियों में भी महिलाओं की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है।

समाज में महिलाओं का वर्चस्व सूर्य के प्रकाश की तरह तेज़ होता जा रहा है। देश के उच्च पदों पर भी नारियाँ बखूबी कार्य कर रही हैं। पहले तो कुछ ही गिनी-चुनी महिलाएँ थीं जिनका नाम हम गौरव के साथ लेते हैं, लेकिन अब देश के सर्वोच्च पदों पर महिलाएँ अपना दायित्व सफलतापूर्वक निभा रही हैं।

(क) लोकतंत्र का आशय है :

(i) लोक-कल्याणकारी शासन

(ii) लोकपाल का चुनाव

(iii) संसद का शासन

(iv) चुने हुए प्रतिनिधियों का शासन

(ख) महिला आयोग का मुख्य कार्य है महिलाओं को -

(i) शक्तिशाली बनाना

(ii) सामाजिक शोषण से बचाना

(iii) नौकरियाँ दिलाना

(iv) उच्च पदों पर पहुँचाना

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ग) 'उत्पीड़न' का अर्थ है –

(i) पीड़ित होना

(ii) पीड़ा से मुक्ति

(iii) पीड़ा पहुँचाना

(iv) पीड़ा न होना

(घ) ''कंधे से कंधा मिलाना' का आशय है –

(i) प्रतियोगिता करना

(ii) होड़ में आगे रहना

(iii) स्वास्थ्य रक्षा के उपाय करना

(iv) बराबरी करना

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक हो सकता है –

(i) भारत की नारी का इतिहास

(ii) लोकप्रिय महिलाएँ

(iii) महिला कल्याण के उपाय

(iv) आगे बढ़ती भारतीय नारी

2. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर वाले विकल्प छाँटकर लिखिए।** **1x5=5**

वर्तमान समय में हमारी पृथ्वी हर तरह से संकट में है। प्रकृति को अपने ही नैसर्गिक रूप में रखना बहुत जरूरी है। यदि उससे छेड़छाड़ की जाए तो यह प्राकृतिक विपदा को निमन्त्रण देने के समान है। मानवीय कुकृत्यों या भूलों को वह कभी भी स्वीकार नहीं करती। पृथ्वी का स्वभाव है पर्यावरण सन्तुलन। जब पर्यावरण सन्तुलन बिगड़ता है तो मानव विकास की विनाश-लीला शुरू हो जाती है। यह एक अत्यंत चिन्ता का विषय है।

आधुनिक मानव विज्ञान के सहारे सर्वोच्च सुखों का उपभोग कर रहा है। चाँद जैसे अन्य ग्रहों पर भी अपना ठिकाना बनाने का प्रयास कर रहा है। इसी वैज्ञानिक प्रगति में हम सभी कहीं-न-कहीं अपने पर्यावरण को क्षति पहुँचा रहे हैं। अपने पर्यावरण को हम अपने स्वार्थ तथा अज्ञान के कारण जो क्षति पहुँचा रहे हैं उसकी भरपाई भी हमें ही करनी होगी। मानव जन्य यह भूल अक्षम्य है। समय रहते ही हमें इस भूल को सुधारने के लिए उचित कदम उठाने होंगे। इस

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

विषय में थोड़ी-सी देर मानव मात्र के लिए ही नहीं बल्कि संपूर्ण जीव और वनस्पति जगत के लिए खतरा बन सकती है।

(क) मानव पर्यावरण को नष्ट कर रहा है –

(i) स्वभाव के कारण

(ii) सभ्यता के कारण

(iii) विकास के कारण

(iv) स्वार्थ के कारण

(ख) किसे अपने वास्तविक रूप में रखने को कहा गया है?

(i) प्रकृति को

(ii) विज्ञान को

(iii) वसुधा को

(iv) संसार को

(ग) चिंता का विषय माना गया है –

(i) बदलता मौसम

(ii) पर्यावरण असंतुलन

(iii) मनुष्य की लापरवाही

(iv) ग्लोबल वार्मिंग

(घ) उपर्युक्त गद्यांश में 'क्षमा न करने योग्य' के लिए कौन-सा शब्द आया है?

(i) अक्षम्य

(ii) अस्वीकार्य

(iii) कुकृत्य

(iv) भूल सुधार

(ङ) चाँद शब्द है :

(i) तत्सम

(ii) तद्भव

(iii) देशज

(iv) आगत

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Download**ed** From :http://cbseportal.com/

3. **निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए।** **1x5=5**

तेरी जय हे श्रमिक-साधना,
सदा हृदय से गाऊँ मैं।
अग्रदूत तू है ईश्वर का,
तेरे गुण बतलाऊँ मैं।।

राष्ट्रभक्ति के गुण को पाकर
किया नित्य अभिनव उपकार।
नित नूतन निर्माण सृजनकर,
तूने चाँद लगाए चार।
कष्ट भुलाए कर्म क्षेत्र के,
ये कैसे बिसराऊँ मैं।

तेरी जय हे श्रमिक-साधना,
सदा हृदय से गाऊँ मैं।

सेवा कर्म सदा अपना कर
जन-सेवक कहलाते हो।
सच्चे सेवक बने देश के,
जग में कीर्ति बढ़ाते हो।
राष्ट्र-सृजन के कर्ता हो तुम
तुमको शीश झुकाऊँ मैं।

तेरी जय हे श्रमिक-साधना
सदा हृदय से गाऊँ मैं।।

(क) किसका जयकार किया गया है?

(i) भारत का

(ii) श्रम का

(iii) श्रमिक का

(iv) ईश्वर का

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ख) नित्य नए-नए उपकार करने के पीछे भावना है –

(i) देशभक्ति की

(ii) अन्वेषण की

(iii) परोपकार की

(iv) समाज सेवा की

(ग) चार चाँद लगाने का अर्थ है –

(i) अधिक उजाला करना

(ii) सजावट करना

(iii) शोभा बढ़ाना

(iv) अच्छा काम करना

(घ) ''ये कैसे बिसराऊँ मैं'' पंक्ति का आशय है –

(i) इसके गुण कब तक बताऊँ

(ii) इसे कैसे दूर करूँ

(iii) इसे कब तक यहाँ रखूँ

(iv) इसे कैसे भूलूँ

(ङ) क्या करने से व्यक्ति को संसार में यश मिलता है?

(i) सच्ची सेवा करने से

(ii) उच्च शिक्षा प्राप्त करने से

(iii) अच्छी नौकरी पाने से

(iv) कष्टों को भुलाने से

4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **1x5=5**

जीवन रसमय रहे निरंतर,
यश जीवन में भरना है।।
रहती नश्वर काया सबकी,
यश से मानव जीता है।
बना अमर यशरूप धरा पर,

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

वह अमृत-घट पीता है।
जीवन जिसका सद्गुण वाला,
उर में बहता झरना है,
यश जीवन में भरना है।।

मिलो अहर्निश होकर निश्छल,
दर्प कभी मत दरसाओ।
भाव रखो श्रद्धा का मन में,
मान सदा सबसे पाओ।
डटे रहो तुम सच्चे पथ पर,
अथक परिश्रम करना है।
यश जीवन में भरना है।।

(क) यशस्वी व्यक्ति का जीवन रहता है –

(i) यशमय

(ii) रसमय

(iii) कष्टमय

(iv) अमृतमय

(ख) कवि परामर्श देता है कि हम –

(i) अपनी ज़िद पर अड़े रहें

(ii) बाधा आने पर राह बदलें

(iii) अपनी बात दूसरों से मनवाएँ

(iv) अपना मार्ग न छोड़ें

(ग) व्यक्ति को एक-दूसरे से किस भाव से मिलना चाहिए ?

(i) श्रद्धा से

(ii) सज्जनता से

(iii) ज़िन्दादिली से

(iv) छल-कपट रहित होकर

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(घ) शरीर नश्वर है और अमर है –

(i) ईश्वर

(ii) सेवा

(iii) यश

(iv) देशभक्ति

(ङ) शेष से भिन्न शब्द छाँटिए –

(i) दर्प

(ii) यश

(iii) कीर्ति

(iv) मान

खण्ड – 'ख'

5. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – **1x3=3**

(क) जो लड़का खेल रहा है वह राम का भाई है।

(रचना के आधार पर वाक्य का प्रकार बताइए)

(ख) जब मैं सोकर जागा तब सुबह हो चुकी थी।

(सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) घंटी बजते ही अध्यापक कक्षा में आ गए।

(मिश्र वाक्य में बदलिए)

6. निर्देशानुसार वाच्य बदलिए – **1x4=4**

(क) धार्मिक लोगों द्वारा मंदिर बनवाया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ख) कुत्ते से भौंका नहीं जाता। (कर्तृवाच्य बनाइए)

(ग) अध्यापक ने छात्रों को समझाया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(घ) छोटा बच्चा दौड़ नहीं सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

7. निम्नलिखित रेखांकित शब्दों का पद परिचय लिखिए। 1x4=4

(क) मुझे खेलना अच्छा लगता है।

(ख) पवन आठवीं में पढ़ता है।

(ग) सीता पाठ पढ़ती है।

(घ) चाचाजी कल आएँगे।

8. (क) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में निहित रस का उल्लेख कीजिए। 2

(i) जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जकरी।

(ii) मातु पितहि जनि सोचबस करसि सहीप किसोर।
गर्भन्ह के अर्भक दलन परसु मोर अति घोर।

(ख) (i) करुण रस का स्थायी भाव क्या है? 2

(ii) 'रति' किस रस का स्थायी भाव है?

खण्ड - 'ग'

9. **निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** 2+2+1=5

मान लीजिए कि पुराने ज़माने में भारत की एक भी स्त्री पढ़ी-लिखी न थी। न सही। उस समय स्त्रियों को पढ़ाने की ज़रूरत न समझी गई होगी। पर अब तो है। अतएव पढ़ाना चाहिए। हमने सैकड़ों पुराने नियमों, आदेशों और प्रणालियों को तोड़ दिया है या नहीं? तो चलिए स्त्रियों को अपढ़ रखने की इस पुरानी चाल को भी तोड़ दें। हमारी प्रार्थना तो यह है कि स्त्री-शिक्षा के विपक्षियों को क्षणभर के लिए भी इस कल्पना को अपने मन में स्थान न देना चाहिए कि पुराने ज़माने में यहाँ की सारी स्त्रियाँ अपढ़ थीं अथवा उन्हें पढ़ने की आज्ञा न थी।

(क) स्त्री शिक्षा के विरोधी लोगों के मत में पहले स्त्रियों की शिक्षा के क्षेत्र में क्या स्थिति थी? लेखक उसका क्या कारण मानता है?

(ख) लेखक ने विरोधियों से क्या प्रार्थना की है?

(ग) वर्तमान में स्त्रियों को शिक्षा देना क्यों जरूरी है?

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From :http://cbseportal.com/

अथवा

शहनाई के इसी मंगलध्वनि के नायक बिस्मिल्ला खाँ साहब अस्सी बरस से सुर माँग रहे हैं। सच्चे सुर की नेमत। अस्सी बरस की पाँचों वक्त वाली नमाज़ इसी सुर को पाने की प्रार्थना में खर्च हो जाती है। लाखों सज़दे, इसी एक सच्चे सुर की इबादत में खुदा के आगे झुकते हैं। वे नमाज़ के बाद सज़दे में गिड़गिड़ाते हैं – 'मेरे मालिक एक सुर बख्श दे। सुर में वह तासीर पैदा कर कि आँखों से सच्चे मोती की तरह अनगढ़ आँसू निकल आएँ। उनको यकीन है, कभी खुदा यूँ ही उन पर मेहरबान होगा और अपनी झोली से सुर का फल निकालकर उनकी ओर उछालेगा, फिर कहेगा, ले जा अमीरुद्दीन इसको खा ले और कर ले अपनी मुराद पूरी।

(क) बिस्मिल्ला खाँ साहब अपनी नमाज़ में क्या मांगते हैं और क्यों?

(ख) शहनाई के मंगल ध्वनि के नायक की मुराद कौन पूरी करेगा और कैसे?

(ग) 'इबादत' शब्द का पर्याय लिखिए।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2x5=10**

(क) मन्नू भंडारी के पिता रसोई को 'भटियारखाना' क्यों कहते थे?

(ख) कुछ पुरातन पंथी लोग स्त्री-शिक्षा का विरोध किस आधार पर करते थे?

(ग) शहनाई की दुनिया में डुमराँव को क्यों याद किया जाता है?

(घ) कैसे कह सकते हैं कि बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे?

(ङ) मन्नू भंडारी अपनी किस अध्यापिका से प्रभावित थीं और क्यों?

11. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **2+2+1=5**

कितना प्रामाणिक था उसका दुख
लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो
    लड़की अभी सयानी नहीं थी
    अभी इतनी भोली सरल थी
    कि उसे सुख का आभास तो होता था
    लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था

Downloaded From :http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

(क) 'लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) किसका दुख प्रामाणिक था और क्यों?

(ग) अंतिम पूँजी किसे कहा गया है?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **2x5=10**

(क) लक्ष्मण परशुराम से किस ऋण मुक्ति की बात कहते हैं?

(ख) परशुराम लक्ष्मण को दण्ड न देने का क्या कारण बताते हैं?

(ग) माँ ने ऐसा क्यों कहा – 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।'

(घ) संगतकार के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

(ङ) मुख्य गायक का कौन साथ देता है और किस तरह?

13. प्रकृति के विनाश के लिए मनुष्य उत्तरदायी है। इस समस्या के निदान के लिए युवा पीढ़ी को किस प्रकार की जागरूकता की आवश्यकता है? 'साना-साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर अपने विचार स्पष्ट कीजिए। **5**

खण्ड – 'घ'

14. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग **250** शब्दों में एक निबंध लिखिए। **10**

(क) **हमारे कर्तव्य**

- देश के प्रति
- समाज के प्रति
- अपने प्रति

(ख) **कंप्यूटर की जरूरत**

- समय के अनुकूल
- उपयोगी साधन
- लाभ और हानियाँ

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE

Downloaded From : http://cbseportal.com/

(ग) **छात्र जीवन और अनुशासन**

- अनुशासन का अर्थ
- अनुशासन की जरूरत
- छात्र जीवन और अनुशासन

15. अपने छोटे भाई को खेलों का महत्त्व बताते हुए तथा खेल खेलने के लिए प्रेरित करते हुए पत्र लिखिए। **5**

अथवा

ग्रीष्मावकाश में विद्यालय में नाट्य-प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने का निवेदन करते हुए प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए।

16. **निम्नलिखित अनुच्छेद का सार लगभग 35 शब्दों में लिखिए और शीर्षक भी दीजिए।** **5**

मैं यह बात सर्वात्मना स्वीकार करता हूँ कि सुख की सरसों हथेली पर नहीं जमती परन्तु पुरुषार्थ किया जाए तो हथेली पर सरसों उगाना कोई कठिन कार्य नहीं है। यह एक पुराना सिद्धान्त है कि हम आम पाना चाहते हैं तो इसके लिए हमें आम का बीज बोना होगा। बबूल बोने से हमें आम नहीं मिलता अर्थात् यदि हमें जीवन में सुख चाहिए तो हमें ऐसे कार्य करने होंगे जिससे सुख मिल सके हमें ही नहीं दूसरों को भी। सुख प्राप्ति के मूल में गहन परिश्रम ही छिपा होता है। केवल अपने सुख की चाह सुख नहीं देती। एक आदमी कैसे सुखी होगा यदि उसका समाज, उसके नाते-रिश्तेदार दुखी हैं। हमें भारतीय संस्कृति का यह उद्देश्य नहीं भूलना चाहिए कि - सर्वे भवन्तु सुखिन: सर्वे सन्तु निरामया:।

Downloaded From : http://cbseportal.com/ Courtesy : CBSE